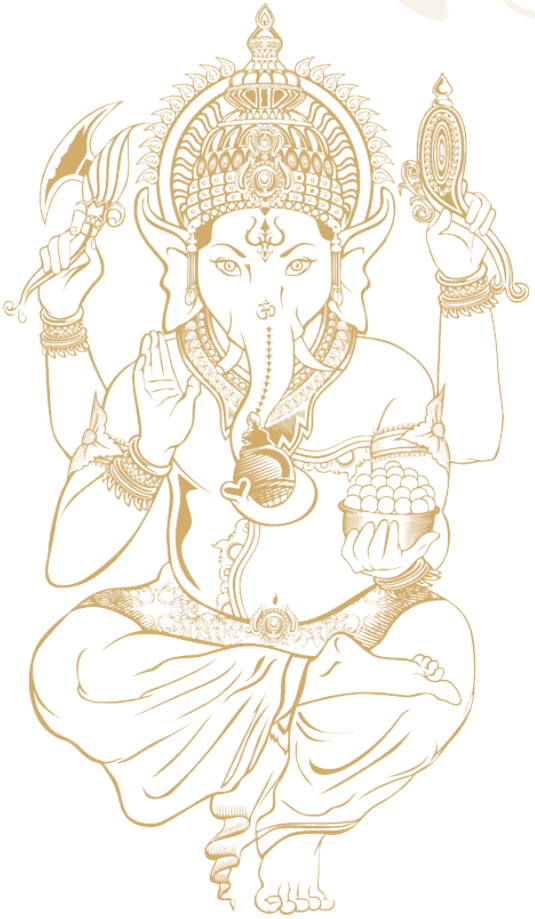

Mr.shivam

05 Dec 1993

12:12 AM

Barabanki

Model: web-freekundliweb

Order No: 120940002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/12/1993**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**00:12:00 घंटे**
इष्ट	43:51:29 घटी
स्थान	**Barabanki**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:56:00 उत्तर
रेखांश	81:11:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:05:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:06:44 घंटे
वेलान्तर	00:09:50 घंटे
साम्पातिक काल	05:01:04 घंटे
सूर्योदय	06:39:24 घंटे
सूर्यास्त	17:11:32 घंटे
दिनमान	10:32:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:51:40 वृश्चिक
लग्न के अंश	23:05:15 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ऐन्द्र
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	23:05:15	321:03:10	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	18:51:40	01:00:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	24:47:54	13:36:14	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	स्वराशि
मंगल		अ	वृश्चि	24:50:25	00:44:24	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	स्वराशि
बुध			वृश्चि	02:51:32	01:28:23	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
गुरु			तुला	11:12:39	00:11:36	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	08:27:58	01:15:26	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
शनि			कुंभ	01:03:10	00:03:42	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	09:12:23	00:00:53	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	09:12:23	00:00:53	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	26:18:28	00:03:00	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
नेप			धनु	25:43:40	00:01:54	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	02:19:35	00:02:20	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			वृष	22:39:50	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:35

लग्न-चलित

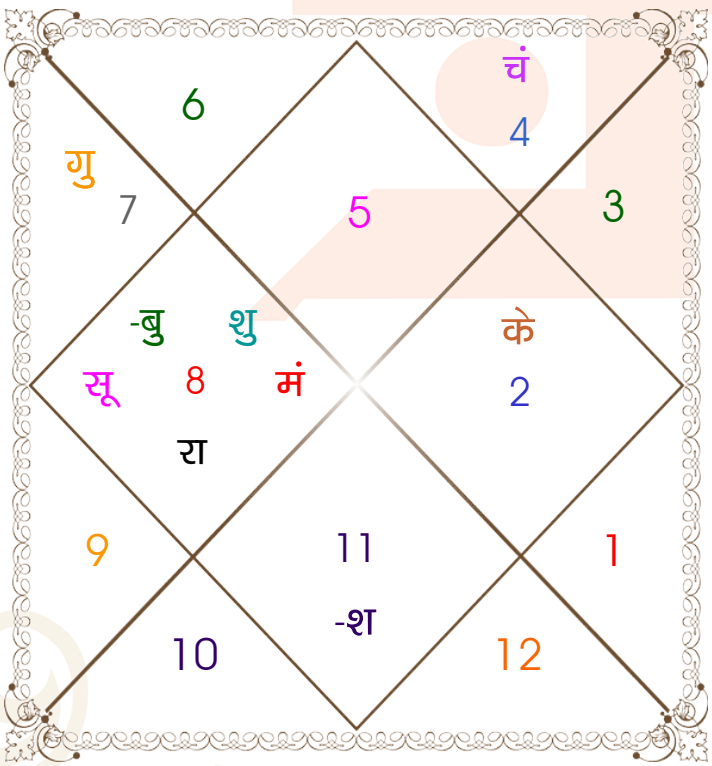

चन्द्र कुंडली

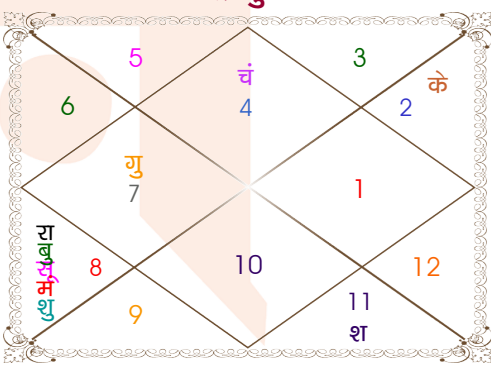

नवमांश कुंडली

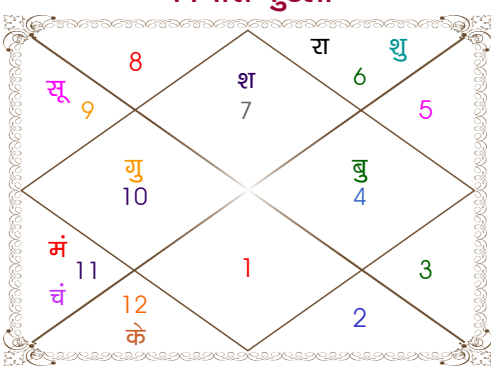

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 6 वर्ष 7 मास 17 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/12/1993		23/07/2000		24/07/2007		24/07/2027		23/07/2033	
23/07/2000		24/07/2007		24/07/2027		23/07/2033		24/07/2043	
	00/00/0000	केतु	19/12/2000	शुक्र	22/11/2010	सूर्य	10/11/2027	चंद्र	24/05/2034
	00/00/0000	शुक्र	18/02/2002	सूर्य	22/11/2011	चंद्र	11/05/2028	मंगल	23/12/2034
	00/00/0000	सूर्य	26/06/2002	चंद्र	23/07/2013	मंगल	16/09/2028	राहु	22/06/2036
	00/00/0000	चंद्र	25/01/2003	मंगल	22/09/2014	राहु	10/08/2029	गुरु	22/10/2037
	00/00/0000	मंगल	23/06/2003	राहु	22/09/2017	गुरु	30/05/2030	शनि	24/05/2039
	05/12/1993	राहु	11/07/2004	गुरु	23/05/2020	शनि	12/05/2031	बुध	22/10/2040
राहु	08/08/1995	गुरु	17/06/2005	शनि	24/07/2023	बुध	17/03/2032	केतु	23/05/2041
गुरु	13/11/1997	शनि	26/07/2006	बुध	24/05/2026	केतु	23/07/2032	शुक्र	22/01/2043
शनि	23/07/2000	बुध	24/07/2007	केतु	24/07/2027	शुक्र	23/07/2033	सूर्य	24/07/2043

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
24/07/2043		23/07/2050		23/07/2068		23/07/2084		25/07/2103	
23/07/2050		23/07/2068		23/07/2084		25/07/2103		00/00/0000	
मंगल	20/12/2043	राहु	05/04/2053	गुरु	10/09/2070	शनि	27/07/2087	बुध	20/12/2105
राहु	06/01/2045	गुरु	29/08/2055	शनि	23/03/2073	बुध	05/04/2090	केतु	18/12/2106
गुरु	13/12/2045	शनि	05/07/2058	बुध	29/06/2075	केतु	15/05/2091	शुक्र	17/10/2109
शनि	22/01/2047	बुध	22/01/2061	केतु	04/06/2076	शुक्र	14/07/2094	सूर्य	24/08/2110
बुध	19/01/2048	केतु	09/02/2062	शुक्र	03/02/2079	सूर्य	26/06/2095	चंद्र	23/01/2112
केतु	16/06/2048	शुक्र	09/02/2065	सूर्य	22/11/2079	चंद्र	25/01/2097	मंगल	19/01/2113
शुक्र	17/08/2049	सूर्य	04/01/2066	चंद्र	23/03/2081	मंगल	05/03/2098	राहु	06/12/2113
सूर्य	22/12/2049	चंद्र	05/07/2067	मंगल	27/02/2082	राहु	10/01/2101		00/00/0000
चंद्र	23/07/2050	मंगल	23/07/2068	राहु	23/07/2084	गुरु	25/07/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 6 वर्ष 7 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।